

भागों में से प्रत्येक भाग, बगल, जैसे- बाएँ पार्श्व में 2. ओर, तरफ 3. निकटता, समीपता 4. किसी घन आकृति के सिरों को छोड़कर अन्य फलकों में से प्रत्येक 5. किसी वस्तु के अगल-बगल अथवा दाहिने-बाएँ अंशों के पास पड़ने वाला विस्तार जैसे- किले के बाएँ पार्श्व में वन था 6. पसलियों की अस्थियों/हड्डियों का समूह, (अस्थि) पंजर।

पार्श्वक पुं. (तत्.) 1. वह चित्र जिसमें किसी आकृति का एक ही पार्श्व दिखाई दे 2. छलपूर्ण उपाय 3. ठग, चोर, बाजीगर।

पार्श्वग वि. (तत्.) साथ में रहने या चलने वाला पुं. (तत्.) नौकर, सेवक।

पार्श्वगत वि. (तत्.) 1. पार्श्व या बगल में आया हुआ या ठहरा हुआ 2. जो साथ हो 3. आश्रित 4. निकट, समीप।

पार्श्वगायक पुं. (तत्.) (चलचित्र आदि में) किसी अभिनेता के बदले नेपथ्य से गाने वाला गायक।

पार्श्वगायिका स्त्री. (तत्.) (चलचित्र आदि में) किसी अभिनेत्री के बदले नेपथ्य से गाने वाली गायिका।

पार्श्वगायन पुं. (तत्.) (चलचित्र आदि में) किसी अभिनेता अथवा अभिनेत्री के बदले नेपथ्य से गाया जाने वाला गायन।

पार्श्वचर वि. (तत्.) पास में रहकर साथ चलने वाला।

पार्श्वच्छवि स्त्री. (तत्.) पार्श्व में रहकर कार्य करने मात्र की छवि; उदा. ईर्ष्या कुछ नहीं मुझे.....में रहा आज यदि पार्श्वच्छवि।

पार्श्वछवि दे. पार्श्वच्छवि।

पार्श्वटिप्पणी स्त्री. (तत्.) पार्श्व अर्थात् हाशिए में लिखी गई टिप्पणी।

पार्श्वद पुं. (तत्.) नौकर, सेवक।

पार्श्वनाथ पुं. (तत्.) जैन धर्म में तेईसवें तीर्थंकर।

पार्श्व-परिवर्तन पुं. (तत्.) लेटे या सोये रहने की दशा में करवट बदलना।

पार्श्व प्रकाश पुं. (तत्.) (स्टूडियो आदि में) पार्श्व/बगल में पड़ने वाला प्रकाश।

पार्श्ववर्ती पुं. (तत्.) 1. सेवक 2. सहचर 3. पड़ोसी।

पार्श्ववीथी स्त्री. (तत्.) किसी भवन आदि के मुख कक्ष के पार्श्व की वीथी, गली अथवा गलियारा।

पार्श्वशीर्षक पुं. (तत्.) पार्श्व अर्थात् हाशिए वाले भाग में लगाया या लिखा हुआ शीर्षक।

पार्श्वशूल पुं. (तत्.) बगल अथवा पसलियों में होने वाला शूल या दर्द।

पार्श्वसंगीत पुं. (तत्.) संगी. नेपथ्य में होने वाला संगीत।

पार्श्वस्थ वि. (तत्.) जो पास या बगल में स्थित हो, समीपस्थ, पुं. (तत्.) 1. सहचर 2. जैन बस्ती में रहने वाला परिग्रही मुनि जो कठोर संयम का मार्ग जानकर भी उस पर नहीं चलता।

पार्श्वीतर पुं. (तत्.) (किसी किले आदि की) प्राचीर का पिछला द्वार।

पार्श्वस्थि स्त्री. (तत्.) पसली।

पार्श्विक वि. (तत्.) 1. पार्श्व संबंधी 2. किसी एक पार्श्व या अंग में होने वाला या रहने वाला पुं. (तत्.) 1. पक्षपाती 2. सहचर।

पार्श्वीय वि. (तत्.) पार्श्विक. टि. प्रतिबिंब में वस्तु का दायँ भाग बायाँ और बायाँ भाग दायँ प्रतीत होना पार्श्वीय परिवर्तन अथवा पार्श्व-परिवर्तन कहा जाता है।

पार्षद पुं. (तत्.) 1. सभासद 2. सेवक।

पार्ष्णि स्त्री. (तत्.) एड़ी।

पार्ष्णिका स्त्री. (तत्.) एड़ी की हड्डी।

पार्ष्णिघात पुं. (तत्.) एड़ी से किया गया प्रहार, ठोकर।

पार्सल पुं. (अं.) डाक या रेल से भेजे जाने वाले माल की पोटली या पुलिंदा, पारसल।